राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

राजस्थान सरकार

RSCERT Udaipur

हवामहल

बच्चों का झरोखा

17 फरवरी 2024: शनिवार: वर्ष – 04: अंक – 44

चिट्टी के दांत में दर्द

आज की कविता

चिट्टी के दांत में दर्द है। क्या चिट्टी बहाना कर रहा है? घर भर के लोग उसके आगे पीछे भाग रहे हैं। डॉक्टर भी आए हैं। कुछ सुझाव भी दे रहे हैं। क्या चिट्टी उनकी बात मानेगा? अब दादा जी उसे क्या कहने वाले हैं? सब मिलकर नाच -गाना क्यों कर रहे हैं? चित्र पर क्लिक कर देखें ।

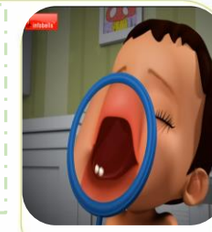

3+ वर्ष के बच्चों के लिए। Infobells

इतना सारा शोर शराबा

आज की कहानी

श्रृंगेरी श्रीनिवास अपनी गायों को पशु मेला ले जाना चाहते हैं। लेकिन सड़कों का शोर शराबा सुनकर गायें वापस आ जाती हैं। श्रृंगेरी उस शोर से बचने के लिए कानों में हेडफोन पहन लेते हैं। अब वो तो चैन से हैं। लेकिन गायों का क्या करें ? क्या उन्हें भी हेड फोन पहनाया जाएगा ? वो पशु मेला कैसे जाएंगी। ये मज़ेदार कहानी सुनने के लिए चित्र पर क्लिक कीजिए।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Bookbox

दादा जी का छाता

आज की किताब

दादाजी के पास एक छाता है। वह उन्हें बहुत पसंद है। आइये दादाजी के साथ घूमने चलें और पता लगाएँ कि उन्हें अपना लम्बा, काला, साथ निभाने वाला छाता इतना क्यों पसंद है? वह दादाजी के क्या काम आता है? क्या दादाजी कभी उसे छोड़ पाएंगे? क्या आपके दादाजी के पास भी ऐसा छाता है? इस कहानी को पूरा पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक कीजिए।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Room to Read

रंगबिरंगे कागजी सितारे

आज की गतिविधि

सितारों के साथ जगमगाना जुड़ा हुआ है। लेकिन आतिशबाजी वाले तारे रंग बिरंगे होते हैं। लाल पीले हरे नीले। अगर हम अपने मित्रों को सितारे उपहार में दे सकें तो यह कितनी कमाल की बात होगी। आज हम छोटे छोटे कागज के रंग बिरंगे सितारे बनाना सीखेंगे। हमें सिर्फ रंगीन कागज की पट्टियाँ चाहिए। बनाने की विधि देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindguptatoys

अध्यापकों के प्रेरित होने के कारक

टीचर्स कॉर्नर

स्कूल एक ऐसी जगह है जिसके बारे में मान्यता है कि बच्चे यहाँ सीखने वाले हैं और शिक्षक उन्हें सिखाने वाला। लेकिन दरअसल कोई कक्षा या सीखने की प्रक्रिया तभी सार्थक है जब बच्चे और शिक्षक दोनों ही मिलकर सीख रहे हों। सुनील बिष्ट इस आलेख में अपने इन्हीं अनुभवों को साझा कर रहे हैं। पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक कीजिए।

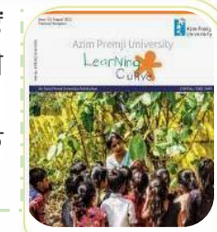

शिक्षकों के लिए। Anuvad Sampada

मेरा छोटा सा निजी पुस्तकालय

हमारा पुस्तकालय

धर्मवीर भारती एक जाने माने साहित्यकार हैं। गंभीर हार्ट अटैक के बाद उन्हें कई रोज अस्पताल में भरती रहना पड़ा। इलाज के बाद जब उन्हें अस्पताल से घर लाया गया तो उन्होंने कहा कि मुझे अपने किताबों वाले कमरे में ही रखा जाए। हार्ट की गंभीर हालत होने के बावजूद वे किताबों के सहारे लंबे समय तक जीवित रहे। पढिए उनकी आत्मकथा का यह अंश।

शिक्षकों के लिए। Dharmveer Bharti

#सबपढ़े

#सबबढ़े

साथियों, हवामहल का 200वाँ अंक अगले सप्ताह प्रसारित होगा। आप सभी से निवेदन है कि अपनी रचनाएँ सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक कर भेजें।

हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिये यह QR कोड स्कैन करें।

आज का अंक आपको कैसा लगा? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।